



35

समक्ष : माननीय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ग्वालियर (म0प्र0)  
विविध / 2017 PBR खरगोन/खरगोन/भू-रा/2017/1865

1. भाईराम पिता मोतीराम गुजर आयु 62 वर्ष  
कार्य - कृषि
2. दुरपतबाई पिता मोतीराम गुजर आयु 50  
वर्ष कार्य - कृषि
3. श्रीमती सरस्वतीबाई बेबा मोतीराम गुजर  
आयु 85 वर्ष कार्य-ग्रहकार्य सभी  
निवासीगण -ग्रम जेठवारा तहसील  
-बडवाह जिला -खरगोन म.प्र. ।

श्री अ. निमाबाई दास ।  
द्वारा आज दि. 23-6-17 को  
प्रस्तुत

[Signature] 23.6.17  
कलेक्टर ऑफ कोर्ट  
राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर

.....आवेदकगण

विरुद्ध

1. अवधेश कुमार चतुर्वेदी तहसीलदार वडवाह  
जिला खरगोन म.प्र. ।
2. भीकाजी पिता जयरामजी गुजर
3. बबुलाल पिता भीकाजी
4. भगवान पिता काशीरामजी
5. दुर्गराम पिता भगवानजी
6. नारायण पिता वंशीरामजी गुजर  
समस्त निवासीगण जेठवाडा तहसील वडवाह  
जिला खरगोन म.प्र.

.....अनावेदकगण

अवमानना अधिनियम की धारा -12 के अंतर्गत आवेदन पत्र एवं म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 32 के अंतर्गत ।

[Signature]

[Signature]  
23/6/17

श्रीमान जी,

आवेदकगण की ओर से अवमानना आवेदन पत्र सविनय निम्न प्रकार है

- यह कि , आवेदकगण द्वारा अधिनस्थ न्यायालय तहसीलदार तहसील बडवाह जिला खरगोन के राजस्व प्रकरण क 03/अ-13/2014-15 में पारित आलोच्य आदेश दिनांक 6-8-2016 जिससे अनावेदक क 1 विद्वान तहसीलदार महोदय द्वारा धारा 32 की शक्तियों का गलत रूप से उपयोग करते हुये अनावेदकगण क 1 लगायत 6 को भूमि स्थिति ग्रम घोघनाथ प.ह.न. 12 राजस्व वृत्त 01 बडवाह जिला खरगोन स्थिति भूमि सर्वे क्रमांक 123/1,123/2 व 123/3 में जाने के लिये आवेदकगण की भूमि सर्वे क्रमांक 109 से रास्ता खेत तक जाने के लिये अनावेदकगण को उपलब्ध कराये जाने के आदेश 6.8.2016 को प्रदान किये गये जिस विवादित आदेश के विरुद्ध आवेदकगण द्वारा माननीय न्यायालय के समक्ष निगरानी 3.10.2016 को प्रकरण को ग्रह किया एवं रिकार्ड हेतु आदेश प्रदान किये गये उसके बाद आवेदकगण द्वारा उक्त प्रकरण में शीघ्र सुनवाई कर स्थगन आदेश दिनांक 20.10.2016 को प्राप्त कर आलोच्य आदेश का क्रियान्वयन स्थगित करालिया जिस स्थगन आदेश दिनांक 20.10.2016 की प्रमाणित प्रति सहित दिनांक अधिनस्थ न्यायालय के कार्यालय में दिनांक 22.10.2016 को प्रस्तुत कर दिया गया जिस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई जिसकी प्रति अनेक्चर पी-1 है।



न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
7.9.2017	<p>आवेदक के विद्वान अधिवक्ता द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया । इस न्यायालय द्वारा दिनांक 6-1-17 को तहसीलदार के आदेश पर यथास्थिति बनाये रखे जाने के आदेश दिये गये हैं, क्रियान्वयन स्थगित नहीं किया गया है और ऐसी स्थिति में तहसीलदार द्वारा इस न्यायालय के आदेश की अवमानना किया जाना प्रथमदृष्टया परिलक्षित नहीं होता है । अतः यह अवमानना का प्रकरण निरस्त किया जाता है ।</p>	<p>अध्यक्ष</p>